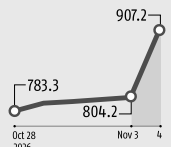
खबरों में रहे स्टॉक



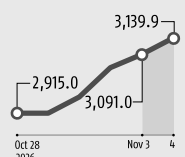
एलेम्बिक फार्मास्युटिकल्स



वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 81 फीसदी वृद्धि के साथ 335 करोड़ रुपये हुआ

₹ 804.2 पिछला बंद भाव
₹ 907.2 आज का बंद भाव
12.8 % ▲

ग्रासिम इंडस्ट्रीज



भारत की पहली रिसाइकल विंड टर्बाइन ब्लेड बनाने के लिए सुजलॉन के साथ साझेदारी

₹ 3,091.0 पिछला बंद भाव
₹ 3,139.9 आज का बंद भाव
1.6 % ▲

बलरामपुर चीनी मिल्स



वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 90 फीसदी बढ़कर 102 करोड़ रुपये दर्ज किया गया

₹ 654.5 पिछला बंद भाव
₹ 673.8 आज का बंद भाव
3.0 % ▲

एनएलसी इंडिया



वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक बढ़कर 1,381 करोड़ रुपये पहुंचा

₹ 230.2 पिछला बंद भाव
₹ 248.4 आज का बंद भाव
7.9 % ▲

इंडियन मेटल्स ऐंड फेरो अलॉयज



वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 52 फीसदी वृद्धि के साथ 148 करोड़ रुपये हुआ

₹ 1,098.6 पिछला बंद भाव
₹ 1,128.9 आज का बंद भाव
2.8 % ▲

संक्षेप में

नायिका को 101 करोड़ रुपये लाभ, राजस्व बढ़ा

प्रीमियम सौंदर्य उत्पादों में वृद्धि और कारोबार परिचालन में सुधार के बल पर ब्यूटी रिटेलर नायिका की मूल कंपनी एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में लगभग तीन गुना हो गया है। यह पिछले साल की इसी अवधि में 32.98 करोड़ रुपये की तुलना में 101.19 करोड़ रुपये पहुंच गया। तिमाही आधार पर शुद्ध लाभ में यह 26.8 फीसदी की वृद्धि है। कंपनी के परिचालन से राजस्व दूसरी तिमाही में 28 फीसदी बढ़कर 3,006.04 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल 2,345.98 करोड़ रुपये था। मालूम हो कि वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में राजस्व 2,782 करोड़ रुपये था। वार्षिक आधार पर व्यय भी 24.7 फीसदी बढ़कर 2,867.05 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। दूसरी तिमाही में एबिटा से पहले कमाई 65 फीसदी बढ़कर 263 करोड़ रुपये रही। नायिका की एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन, संस्थापक और सीईओ फाल्गुनी नायर ने कहा, 'इस तिमाही में प्रदर्शन नायिका तंत्र की ताकत दर्शाता है।' *बीएस*

कोलते-पाटिल डेवलपर्स की रिकॉर्ड बिक्री

मुंबई के रियल एस्टेट डेवलपर कोलते-पाटिल डेवलपर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में 1,636 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 27 फीसदी की वृद्धि है। कंपनी ने बुधवार को तिमाही नतीजों की घोषणा करते हुए बताया कि तिमाही में उसकी बिक्री 52 फीसदी बढ़कर 1,019 करोड़ रुपये हो गई। कोलते-पाटिल डेवलपर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हृषीकेश परन्देकर ने कहा, 'हमने रिकॉर्ड तिमाही और छमाही पूर्व-बिक्री हासिल की है, जो क्रमशः 52 फीसदी और 27 फीसदी बढ़ी है।' *बीएस*

फिजिक्सवाला का लाभ दोगुना पहुंचा

शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी फिजिक्सवाला ने बुधवार को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में अपने शुद्ध लाभ को 142.29 करोड़ रुपये के साथ लगभग दोगुना कर लिया है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 69.72 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। इस सितंबर तिमाही में यह शुद्ध लाभ इससे पहले तिमाही में 87.04 करोड़ रुपये के नुकसान के बाद आया है। फिजिक्सवाला का परिचालन राजस्व 1,242.26 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि में 1,051.24 करोड़ रुपये की तुलना में 18 फीसदी अधिक है। दूसरी ओर, सितंबर तिमाही में कंपनी का कुल व्यय 10.5 फीसदी बढ़कर 1,105.4 करोड़ रुपये हो गया। *बीएस*

मर्सिडीज की निर्यात पर नजर

भारत को प्रमुख विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में देख रही जर्मनी की लग्जरी कार कंपनी

सोहिनी दास
चाकण, 4 नवंबर

जर्मन लग्जरी कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज का मानना है कि भारत वैश्विक बाजारों के लिए प्रमुख विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में उभर सकता है। कंपनी के वैश्विक प्रमुख ओला कैलेनियस का कहना है कि सवाल यह नहीं है कि ऐसा होगा या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसा कब होगा। लेकिन कंपनी ने अभी तक भारत में निर्यात के लिए गाड़ियां बनाने का कोई फैसला नहीं लिया है। फिलहाल, सबसे बड़ा मौका भारत से पुर्जों और तकनीक की खरीदारी बढ़ाने में है।

मर्सिडीज-बेंज ग्रुप एजी में बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन कैलेनियस ने कहा कि भारत का बढ़ता लग्जरी कार बाजार, सप्लायरों का विस्तार और इंजीनियरिंग क्षमताएं भविष्य में देश के लिए बड़ी निर्माण भूमिका को संभव बना सकती हैं। कैलेनियस ने बुधवार को पुणे के पास चाकण में कंपनी के संयंत्र में आयोजित मीडिया राउंडटेबल के दौरान कहा, 'मुझे लगता है कि यह सवाल 'क्या' का नहीं, बल्कि 'कब' का है। लेकिन मैं यह साफ बता दूं कि अभी तक हमने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है।'

उन्होंने ये टिप्पणियां तब कीं जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मर्सिडीज-बेंज को भारत को सिर्फ एक विनिर्माण देश के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और वाहन बनाने के आधार के रूप में देखना चाहिए और इसके लिए राज्य का उपयोग करना चाहिए।

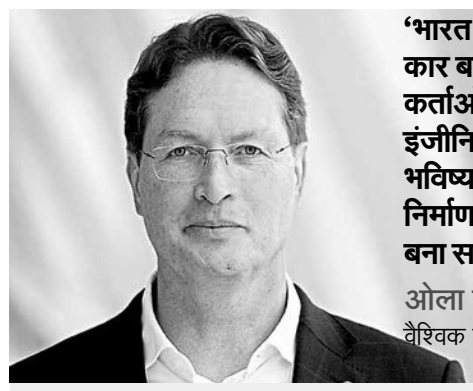
कैलेनियस ने कहा कि भारत वृद्धि के नजरिये से पहले से ही एक अहम बाजार है और मर्सिडीज-बेंज देश में अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ तिमाही प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ रही है। उनका आशावाद मर्सिडीज-बेंज इंडिया के अब तक के सबसे मजबूत तिमाही प्रदर्शन के कारण है। लग्जरी कार निर्माता ने जुलाई-सितंबर 2026 के दौरान 5,422 वाहन बेचे, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक और पिछली तिमाही की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। जनवरी-सितंबर के दौरान बिक्री 8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 15,190 वाहनों तक पहुंच गई, जिसका मुख्य कारण इसके कोर, टॉप-एंड और एंट्री लग्जरी गाड़ियों की मजबूत मांग रही।

हालांकि, कुल यात्री वाहन बाजार की तुलना में लग्जरी कार सेगमेंट काफी छोटा रहा। भारत में हर साल लगभग 50 लाख यात्री गाड़ियां बिकती हैं। लेकिन प्रीमियम और लग्जरी सेगमेंट की हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से थोड़ी ही ज्यादा है, यानी लगभग 60,000 गाड़ियां। मर्सिडीज-बेंज की सालाना बिक्री लगभग 20,000 वाहन है, जो कुल बाजार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है।

अगले पांच से सात वर्षों में भारत की अनुमानित आर्थिक वृद्धि को देखते हुए, कैलेनियस को उम्मीद है कि लग्जरी वाहनों की मांग में अच्छी खासी बढ़ोतरी होगी। एक बड़ा घरेलू बाजार और उसके साथ सही मॉडल व कीमत का निर्धारण आगे चलकर स्थानीय स्तर पर विनिर्माण बढ़ाने के कदम को सही साबित कर सकते हैं। लेकिन इससे पहले मर्सिडीज-बेंज की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका और भी बढ़ सकती है।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी संतोष अय्यर ने कहा कि देश में कंपनी का कुल निवेश 3,200 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसमें 2026 में निर्माण परिचालन, नए मॉडल पेश करने और डिजिटलीकरण पर 200 करोड़ रुपये का निवेश भी शामिल है।

भारत में अपना कामकाज शुरू करने के बाद से मर्सिडीज-बेंज ने 2,40,000 से अधिक वाहन बेचे हैं, जिनमें से अधिकांश का निर्माण स्थानीय स्तर पर चाकण में किया गया है। भारत का बढ़ता महत्त्व ऐसे समय में सामने आया है जब मर्सिडीज-बेंज को चीन में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।



'भारत का बढ़ता लग्जरी कार बाजार, आपूर्तिकर्ताओं का विस्तार और इंजीनियरिंग क्षमताएं भविष्य में देश के लिए बड़ी निर्माण भूमिका को संभव बना सकती हैं।'

ओला कैलेनियस,
वैश्विक प्रमुख, मर्सिडीज-बेंज ग्रुप

निर्माण और निर्यात बढ़ाने पर जोर

- कंपनी के वैश्विक सीईओ का मानना है कि वाहनों से पहले कलपुर्जों के निर्यात की संभावनाएं
- लग्जरी कार बाजार बढ़ने से वैश्विक आरऐंडडी और खरीदारी में भारत का योगदान बढ़ेगा
- भारत में मर्सिडीज-बेंज ने अपना कारोबार शुरू करने के बाद से 2,40,000 से अधिक गाड़ियां बेचीं

यूनिलीवर रिसर्च पर 3.5 करोड़ यूरो निवेश करेगी

शार्लीन डिसूजा
मुंबई, 4 नवंबर

उपभोक्ता वस्तुओं की वैश्विक कंपनी यूनिलीवर मुंबई और बेंगलूरु में अपने अनुसंधान और विकास (आरऐंडडी) हब को नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में बदलेगी। साथ ही, वह भारत में पर्यावरण अनुकूल उत्पाद एवं समाधान तैयार करने के उद्देश्य से रणनीतिक बायो-फ्यूचर्स साझेदारी करेगी। कंपनी इस सब पर 3.5 करोड़ यूरो का बड़ा निवेश करेगी।

यह निवेश पिछले पांच वर्षों में लिक्विड्स लैब ऑफ द फ्यूचर, यूनिलीवर फ्रैग्रेंस हाउस, उन्नत बार (साबुन) निर्माण केंद्र, पैकेजिंग और फ्लेक्सिबल डिजाइन लैब, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) एवं डिजिटल मॉडलिंग प्लेटफॉर्म में किए गए 2 करोड़ यूरो से अलग होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'मुंबई और बेंगलूरु के आरऐंडडी हब यूनिलीवर के वैश्विक आरऐंडडी नेटवर्क का अभिन्न हिस्सा होंगे और इनमें नई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान, नवाचार, उत्पाद विकास और बाजार उन्मुख गतिविधियां होंगी।'

दोनों केंद्रों को यूनिलीवर के वैश्विक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों, वैज्ञानिक शोध और बौद्धिक संपदा का लाभ मिलेगा। भारत 800 से अधिक वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, डिजिटल विशेषज्ञों और डिजाइनरों के साथ यूनिलीवर के सबसे बड़े वैश्विक आरऐंडडी हब में से एक है। नए निवेश से मुंबई हब को एक नए उत्पाद नवाचार केंद्र में बदलने में मदद मिलेगी। इससे इस केंद्र की क्षमता बढ़ेगी और बाजार के अनुरूप उत्पाद बनाने में मदद मिलेगी।

यूनिलीवर के मुख्य अनुसंधान और विकास अधिकारी, रिचर्ड स्लेटर ने कहा कि भारत कंपनी के लिए महत्त्वपूर्ण वैश्विक आरऐंडडी केंद्र है। हिंदुस्तान यूनिलीवर की प्रबंध निदेशक और सीईओ प्रिया नायर ने कहा कि प्रस्तावित निवेश यूनिलीवर की भारत के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और भरोसे को दर्शाता है।



विस्तार रणनीति

- मुंबई और बेंगलूरु में होगा निवेश, जिससे इन आरऐंडडी हब को नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने में मिलेगी मदद

14 विदेशी उड़ानें नवी मुंबई से

अदाणी समूह के नियंत्रण वाली मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (मायल) ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को बताया है कि अगर एयरलाइनें 3 नवंबर तक अपनी उड़ानों को स्थानांतरित करने की योजना स्वेच्छा से नहीं सौंपती हैं, तो वह मुंबई हवाई अड्डे से 14 चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को नवी मुंबई हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करने की योजना बना रही है।

ये 14 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे बहरीन, दम्माम, ढाका, दोहा, फुजैराह, जकार्ता, जेद्दा, काठमांडू, कुवैत सिटी, मदीना, मस्कट, रास अल खैमाह, रियाद और शारजाह आदि हैं। विमानन विश्लेषण फर्म सिरियम के अनुसार, 16 एयरलाइनें मुंबई से इन 14 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए हर हफ्ते कुल 205 उड़ानें संचालित करती हैं। इनमें से 12 एयरलाइंस ने अभी तक अपनी सेवाओं को नवी मुंबई स्थानांतरित करने के लिए सार्वजनिक रूप से सहमति नहीं दी है। *बीएस*

एक चूक से बायोकॉन का मुनाफा आधा

बीएस संवाददाता
नई दिल्ली/मुंबई/चेन्नई, 4 नवंबर

वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में बेंगलूरु की प्रमुख फार्मास्युटिकल कंपनी बायोकॉन का समेकित शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 52 फीसदी घटकर 41 करोड़ रुपये रह गया है। इसका कारण यह रहा कि लगभग 2 करोड़ डॉलर की खेप तिमाही के अंत की समय-सीमा से चूक गईं, जबकि उनकी लागत पहले ही शामिल की जा चुकी थी।

परिचालन से राजस्व 2 फीसदी बढ़कर 4,389 करोड़ रुपये रह गया। शुद्ध लाभ, एक साल पहले के 85 करोड़ रुपये और जून तिमाही के 141 करोड़ रुपये के मुकाबले कम रहा। नतीजों की घोषणा बाजार के कामकाज के दौरान की गई।

डॉ. लाल पैथलैब्स का मुनाफा 27.5% बढ़ा

प्रमुख स्वास्थ्य जांच सेवा प्रदाता कंपनी डॉ. लाल पैथलैब्स (डीएलपीएल) ने वित्त वर्ष 2027 की सितंबर तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 27.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। यह बढ़ोतरी टेस्ट से मिलने वाले राजस्व में इजाफे के कारण हुई है। वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 194 करोड़ रुपये रहा।

फ्रैक्टल का राजस्व बढ़कर 10 करोड़ डॉलर हुआ

एंटरप्राइज एआई फर्म फ्रैक्टल एनालिटिक्स को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में 9.5 फीसदी वृद्धि के साथ 79.2 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। पिछले साल की इसी अवधि में यह 33.2 करोड़ रुपये था। तिमाही में 956.5 करोड़ रुपये राजस्व मिला। कंपनी ने पहली बार 10 करोड़ डॉलर का तिमाही राजस्व भी हासिल किया।

लेंसकार्ट का मुनाफा दोगुना

लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड ने सितंबर तिमाही में 2,845 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी अवधि के 2,147 करोड़ रुपये की तुलना में 32.5 फीसदी ज्यादा है।

अपोलो हॉस्पिटल्स का लाभ उछला



प्रमुख अस्पताल श्रृंखला अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइजेज (एएचईएल) ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और यह बढ़कर 630 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह लाभ 477 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2027 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का समेकित राजस्व 23 प्रतिशत बढ़कर 7,615 करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में यह 6,189 करोड़ रुपये था। कंपनी का समेकित एबिटा 29 प्रतिशत बढ़कर 1,191 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 924 करोड़ रुपये था। *बीएस*

डाबर ने हरजीत को बोर्ड में निदेशक नियुक्त किया

हरजीत भल्ला को बुधवार को डाबर इंडिया के बोर्ड में पूर्णकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति 14 नवंबर से 5 साल के लिए प्रभावी होगी। इससे पहले, मोहित मल्होत्रा ने 13 नवंबर को निजी कारणों से वैश्विक सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक के पदों से इस्तीफा दे दिया था। कंपनी ने बताया कि भल्ला भारत के कारोबार में विकास के एजेंडे का नेतृत्त्व करना जारी रखेंगे।

कंपनी ने बिक्री में बढ़ोतरी के दम पर पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 11.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। दूसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ लगभग 506 करोड़ रुपये रहा। भारत में अपने एफएमसीजी कारोबार में कंपनी ने 5.5 प्रतिशत की बिक्री वृद्धि दर्ज की। *बीएस*

अल्केमिस्ट एसेट रीकंस्ट्रक्शन कॉम्पनी लिमिटेड

ए–270, (पहली और दूसरी मंजिल), डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली – 110 024, फोन : 91-11-46562580 - 83
फैक्स : 91-11-46562584 ईमेल: admin@alchemistarc.com, वेबसाइट: www.alchemistarc.com

नीलामी बिक्री सूचना

(सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) नियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 9 तथा परिशिष्ट **IV A** देखें)

सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) नियम, 2002 के नियम 8(6) एवं नियम 9 के साथ पठित सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट अधिनियम, 2002 (जिसे आगे सरफेसी अधिनियम, 2002" कहा गया है) के अंतर्गत अचल प्रतिभूतिबद्ध परिसंपत्ति (जिसे आगे "प्रतिभूतिबद्ध परिसंपत्ति(यों)" कहा गया है) की बिक्री हेतु ई–नीलामी बिक्री सूचना

आम जनता को और विशेष रूप से कोलेज एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड (जिसे आगे "उधारकर्ता", बंधककर्ता एवं जमानतदार कहा गया है) को एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नीचे वर्णित प्रतिभूतिबद्ध परिसंपत्ति(यों), जो प्रतिभूति ऋणदाता के पास बंधक/भारित है, जिसका कब्जा असाइनर बैंक अर्थात यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा 15.09.2016 को ले लिया गया है। मेसर्स कॉलेज एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित ऋण के असाइनमेंट के पश्चात् यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया ने अपने सभी अधिकार, हक एवं हित अल्केमिस्ट एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एएआरसी) के पक्ष में असाइन कर दिए हैं, एएआरसी सुरक्षित लेनदार बन गया है और कब्जा अब एएआरसी के प्राधिकृत अधिकारी के पास है (जो अल्केमिस्ट–XI ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता में कार्य कर रहा है), उक्त संपत्ति को अल्केमिस्ट एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी ("एओ") द्वारा "जैसा है जहां है", "जैसा है जो है", "जो कुछ भी है" और "बिना किसी प्रतिकार के आधार" पर "ई–नीलामी एजेंसी, सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से ऑनलाइन नीलामी" द्वारा, उनकी वेबसाइट/पोर्टल अर्थात् **http://www.bankeauctions.com** पर दिनांक 23.11.2026 को प्रातः 11:30 बजे ई–नीलामी की समाप्ति से पूर्व बढ़ी हुई बोली किए जाने पर प्रत्येक पांच (5) मिनट के असीमित स्वतः विस्तार के साथ, दिनांक 31.10.2026 तक कुल रु. **39,45,89,028.98** की बकाया राशि की वसूली हेतु, एएआरसी को देय आगे के ब्याज एवं प्रभारों सहित, बेचा जाएगा। सुरक्षित परिसंपत्ति(यों)/आरक्षित मूल्य/नीलामी की तारीख एवं समय तथा बयाना राशि जमा (ईएमडी) का विवरण नीचे उल्लिखित है:

क्र. सं.	सुरक्षित परिसंपत्तियों की बिक्री की अनुसूची	आरक्षित मूल्य (आरपी)	नीलामी और ईएमडी का विवरण
1.	बेसमेंट I, क्षेत्रफल 97,097 वर्ग फीट, बेसमेंट II, क्षेत्रफल 94,541 वर्ग फीट तथा बेसमेंट III क्षेत्रफल 22,235 वर्ग फीट (पार्किंग) विवा कॉलेज मॉल, राष्ट्रीय राजमार्ग I, जालंधर पंजाब में स्थित, जिसका स्वामित्व मैसर्स कॉलेज एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है। (सांकेतिक कब्जा 15.09.2016 को लिया गया है।	रु. 11,56,00,000/-	ई–नीलामी की तिथि 23.11.2026 ई–नीलामी का समय पूर्वाह्न 11:30 बजे जमा बयाना राशि रु. 1,15,60,000/– बोली वृद्धि रु. 1,00,000/–
	दुकान नं. टीएफ–3, तृतीय तल क्षेत्रफल 4,835 वर्ग फीट, विवा कॉलेज मॉल, राष्ट्रीय राजमार्ग I, जालंधर पंजाब में स्थित, जिसका स्वामित्व मैसर्स कॉलेज एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है। (दुकान नं. टीएफ–3 का भौतिक कब्जा 06.12.2017 को लिया गया है।)		

नियम एवं शर्तें:

- बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेब पोर्टल: **https://www.bankeauctions.com** पर उपलब्ध ई–नीलामी मंच के माध्यम से की जाएगी, इच्छुक बोलीदाताओं जिन्हें लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड बनाने, डेटा अपलोड करने, बोली दस्तावेज प्रस्तुत करने, ऑनलाइन परस्पर बोली आदि पर प्रशिक्षण/प्रदर्शन के संबंध में सहायता की आवश्यकता है, वे मैसर्स सी1 इंडिया प्रा. लि., तृतीय तल, प्लॉट नं. 68, सेक्टर – 44, गुड़गांव, हरियाणा पिन 122003, ईमेल आईडी: **support@bankeauctions.com** हेल्पलाइन नं. 0124–4302020, 21, 23 संपर्क नं. 9948182222 से संपर्क कर सकते हैं।
- सभी इच्छुक पक्षों का ध्यान सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो प्रतिभूतिकृत परिसंपत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में हैं। उधारकर्ता/बंधककर्ता/जमानतदार(ओं) इस सूचना को 15 दिनों की बिक्री सूचना (सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) सहपठित नियम 9(1) के अनुसार) के रूप में भी मान सकते हैं और उन्हें 20.11.2026 से पहले पूर्ण रूप से देयता का निर्वहन करने का अंतिम एवं अंतिम अवसर दिया जाता है, ऐसा करने में विफल रहने पर अचल प्रतिभूतिकृत परिसंपत्ति(यों) को इस बिक्री सूचना में उल्लिखित नियम एवं शर्तों के साथ–साथ नीचे दिए गए लिंक में प्रकाशित बोली दस्तावेज के अनुसार बेचा जाएगा।
- भारों के लिए, बोलीदाताओं को बोली दस्तावेज देखने की सलाह दी जाती है। बिक्री इस नीलामी बिक्री सूचना में सम्मिलित नियम एवं शर्तों तथा बोली दस्तावेज (नीचे उल्लिखित लिंक में प्रकाशित) के अधीन सख्ती से होगी, जिसमें अचल प्रतिभूतिकृत परिसंपत्ति(यों) का विवरण एवं बिक्री के नियम एवं शर्तों के विवरण शामिल हैं, जो इस नीलामी बिक्री सूचना का भाग हैं। यह सरफेसी अधिनियम, 2002 और/या किसी अन्य कानून के अंतर्गत प्रतिभूति हितधारी को उपलब्ध किसी अन्य अधिकार के प्रतिकूल नहीं है।
- कोई व्यक्ति अपनी बोली प्रस्तुत करने का हकदार नहीं है यदि ऐसा व्यक्ति, या ऐसे व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से या मिलकर कार्य करने वाला कोई अन्य व्यक्ति दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 29ए के अनुसार अपात्र है और सभी बोलीदाताओं के लिए यह आवश्यक होगा कि वे अपने सभी केवाईसी के साथ नोटरीकृत वचनपत्र प्रस्तुत करें, जिसमें यह घोषित और पुष्टि की गई हो कि बोलीदाता का उधारकर्ता/प्रवर्तकों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं के साथ किसी भी प्रकार का संबंध (व्यावसायिक/व्यक्तिगत) नहीं है (प्रारूप बोली दस्तावेज में दिया गया है)।
- नीलामी बिक्री में भाग लेने के लिए, नीलामी बिक्री में भाग लेने का इच्छुक कोई भी बोलीदाता, कार्यालय एओ से ए–270, प्रथम एवं द्वितीय तल, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली–110024 से, 05.11.2026 से 20.11.2026 तक कार्य दिवसों में कार्य समय के दौरान, "अल्केमिस्ट **XI** ट्रस्ट" के पक्ष में, दिल्ली में देय रु. 1000/– के ऑनलाइन भुगतान/चेक/डीडी/पे ऑर्डर के माध्यम से या आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से, खाता संख्या 911020000871553, लाभार्थी "अल्केमिस्ट **XI** ट्रस्ट", आईएफएससी कोड नं. UTIB0000357, बैंक शाखा एक्सिस बैंक लिमिटेड, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली – 110024 के विरुद्ध बोली दस्तावेज प्राप्त करना होगा।
- वैकल्पिक रूप से, बोलीदाता उपरोक्त बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से रु. 1000/– का भुगतान करने के बाद एओ से ईमेल के माध्यम से भी बोली दस्तावेज प्राप्त कर सकता है। बोलीदाता विधिवत निष्पादित बोली दस्तावेज ईएमडी के साथ 21.11.2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक या उससे पहले प्रस्तुत करेगा।
- आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194–आईए के अनुसार, बिक्री प्रतिफल पर टीडीएस लागू होगा यदि बिक्री प्रतिफल रु. 50,00,000/– (रुपये पचास लाख मात्र) और उससे अधिक है। सफल बोलीदाता/क्रेता लागू टीडीएस (1%) की कटौती करेगा और आयकर विभाग के पास अंतरणकर्ता अर्थात् अलकेमिस्ट–**XI** ट्रस्ट, जिसका पैन नं. AACTA9895K के पक्ष में जमा करेगा। इसके अलावा, बिक्री मूल्य का केवल 99% सुरक्षित लेनदार को प्रेषित किया जाना है।
- बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया लिंक {लिंक: **www.alchemistarc.com** और लाइव ऑक्शंस टैब पर क्लिक करें} पर जाएँ। किसी भी स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए, इच्छुक पक्ष एओ मोबाइल: 8130836012, टेलीफोन नं. 011–46562580–81–82–83 या ईमेल **admin@alchemistarc.com** पर संपर्क कर सकते हैं।

स्थान:– दिल्ली, दिनांक:– 05.11.2026 **एसडी/– प्राधिकृत अधिकारी**

सवाल जवाब

इंडस 2029 तक 1 लाख टावर में लगाएगी सौर ऊर्जा

भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम टावर कंपनी इंडस टावर्स का वित्त वर्ष 2029 तक 1 लाख टावर को सौर ऊर्जा से चलाने का लक्ष्य है। भारती समूह समर्थित कंपनी के इस वर्ष सितंबर तक 2.80 लाख टावर हैं। इंडस के एमडी और सीईओ प्रचुर साह ने गुलवीन औलख को दिए साक्षात्कार में हरित ऊर्जा बदलाव, एआई और अफ्रीका समेत विदेशी बाजारों में विस्तार पर लंबी बात की। प्रमुख अंशः



पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण बढ़ती ईंधन लागत से इंडस कैसे निपट रही है?

इस समय हमारे पास 50,000 सौर-ऊर्जा चालित साइट हैं जिनकी कुल स्थापित क्षमता 300 मेगावाट है। हमारे शोध के अनुसार यह विश्व स्तर पर सबसे बड़ा आंकड़ा है। पारंपरिक रूप से टावरों को बिजली, डीजल और बैटरियों से चार्ज किया जाता है। हमने लगभग ढाई साल पहले यह काम शुरू किया था। हमने वित्त वर्ष 29 तक 1,00,000 टावरों को सौर-ऊर्जा से संचालित करने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही में हमने सौर, ईंधन, बैटरी और ऊर्जा प्रबंधन के लिए एआई के उपयोग के संयोजन से वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही की तुलना में अपनी डीजल खपत में 11 फीसदी की कमी की है।

क्या इसका विस्तार बैटरियों तक भी हो रहा है?

दो-तीन साल पहले हमने अपने ऊर्जा संचालन की समीक्षा करने के बाद कुछ रणनीतिक कदम उठाए। इनमें पहला निर्णय सौर ऊर्जा का विस्तार और दूसरा पुरानी लेड-एसिड बैटरियों को लिथियम-आयन में बदलने का था। अगले कुछ ही वर्षों में हम सभी साइटों को लिथियम-आयन बैटरी से संचालित करने लगेंगे। इसका पूरा विचार साइटों पर फास्ट चार्जिंग को सक्षम करना है ताकि ऊर्जा का भंडारण किया जा सके।

टेलीकॉम कंपनियां क्षमता बढ़ाने के लिए पूंजीगत व्यय कर रही हैं। ऐसे में क्या एआई उपयोग वाले टावरों की मांग बढ़ रही है? क्या टावर प्रबंधन में भी एआई का उपयोग किया जा रहा है?

वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में हमने 3,000 टावर और 8,000 टेनेंसी (किराएदार) शुरू किए हैं। हमारे पास एक मजबूत ऑर्डर बुक है। दूसरे ग्राहक (वोडाफोन आइडिया) के टॉवर भी शुरू हो रहे हैं। भुगतान भी आ रहे हैं। टावर लगाने के लिए जरूरी अनुमति मिलने की प्रक्रिया भी बेहतर हो रही है, इसलिए कोई बाधा नहीं है। डेटा का उपयोग निश्चित रूप से टावर की मांग बढ़ाएगा और हम उसी के अनुसार ग्राहकों यानी टेलीकॉम कंपनियों की आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं। हम आंतरिक रूप से अपने सभी टावर को जोड़ने के लिए एआई इस्तेमाल कर रहे हैं। हमारी साइटों पर सभी विद्युत उपकरण हैं। इसलिए कोई दिक्कत नहीं आती। हमारे पास लगभग 2,50,000 साइटें हैं, जो रियल-टाइम डेटा भेजती हैं।

इंडस कारोबार के अफ्रीका विस्तार के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

हमने अफ्रीका में नाइजी